

**गोमती, तमशा, वरुणा, सई और अरेल नदियों को बनायें सदा नीर**

**सखू, कन्हर, बाण सागर, अर्जुन सहायक आदि राष्ट्रीय परियोजनाओं के समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कर, 17.798 लाख हे० सिंचन क्षमता की अतिरिक्त करें वृद्धि**

**राजकीय नलकूपों पर ड्रिप और सिंक्लर सिस्टम स्थापित कर वन ड्रॉप मोर क्रॉप के संकल्प को करें साकार**

**धर्मपाल सिंह**

**लखनऊ : 02 फरवरी, 2018**

पौराणिक काल की पावन नदियाँ जो वर्तमान में अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। उनके पुर्नजीवीकरण हेतु भागीरथ प्रयास करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह बात 30प्र0 के सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने मासिक समीक्षा बैठक में कही। सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोमती, तमशा, सई, वरुणा और अरेल नदियों को सदा नीर बनाने के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार की जाये। इसके अन्तर्गत इन नदियों के उदगम स्थल से ही जल स्रोतों से ही निगरानी कर उन्हें कारगर बनाया जाये। आपने कहा कि इस कार्य को व्यापक जन आन्दोलन के रूप में जन सहभागिता के आधार पर संचालित किया जाये। जिससे इन नदियों को अपना पूर्व का स्वरूप प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में आपने कहा कि गोमती नदी की भव्यता और दिव्यता को विकसित करने के लिए इसकी व्यापक सफाई कराई जाये व गारदा व गारदा सहायक नहरों का पानी छोड़कर इसके प्रवाह को बढ़ाया जाये। साथ ही प्रकाश व्यावस्था को भी प्रारम्भ कराया जाये।

राष्ट्रीय सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन परियोजनाओं को समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण करें, जिससे की 17.798 लाख हे० की अतिरिक्त सिंचन क्षमता की वृद्धि हो और किसानों के जीवन में खुशहाली आये।

प्रमुख सचिव, सिंचाई श्री टी० वैकटेश ने बताया कि सिंचाई विभाग की राष्ट्रीय/महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की निरन्तर प्रगति हेतु विभागाध्यक्ष/ प्रमुख अभियन्ता को निर्देशित किया है कि वे प्रमुख अभियन्ता, परियोजना तथा मुख्य अभियन्ता, परिकल्प एवं गेज के मार्ग दर्शन में समय सीमा के अन्तर्गत कार्य को पूर्ण करायें। प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष, श्री भूपेन्द्र तामा ने बताया कि सरयू, परियोजना में गैपों को समाप्त करने के लिए कार्यवाही प्रगति पर है और इस योजना में लगभग 3 लाख हे० की अतिरिक्त सिंचन क्षमता की वृद्धि हो गयी है। इसी तरह बाण सागर योजना में भी 1 लाख हे० की अतिरिक्त सिंचन क्षमता वर्तमान में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रमुख अभियन्ता, परिकल्प एवं नियोजन श्री ऐ०के० सिंह ने बताया राम गंगा बांध कालागण के विगत 10 वर्षों से क्षतिग्रस्त टनल टी-1, टी-2 व बटर फ्लाई वाल्व एवं सिलिण्ड्रीकल गेट्स की मरम्मत कराकर बाँध को पुनर्जीवित किया गया। इसी तरह रामपुर की स्वार तहसील में नाहल नदी पर लगभग 100 वर्ष पुराने नाहल रेगुलेटर जो वर्ष 2002 से क्षतिग्रस्त था, का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है जो इसी वर्ष पूर्ण हो जायेगा और किसानों को समुचित मात्रा में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी।

सिंचाई मंत्री ने राजकीय नलकूपों पर ड्रिप और स्पिंकलर सिस्टम स्थापित कर वन ड्रॉप मोर क्रॉप के संकल्प को साकार करने हेतु तुरंत कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। इस क्रम में प्रमुख अभियन्ता, यांत्रिक श्री बाल कृष्ण मिश्र ने बताया कि प्रथम चरण में प्रत्येक जनपद में एक माडल के रूप में राजकीय नलकूप पर यह सिस्टम शुरू करने हेतु किसानों का चयन किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक में सिल्ट सफाई कार्य की समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आये कि अबकी बार सिल्ट सफाई अभियान में अपनी एक पहचान बनाई है और जहां वर्षों से पानी नहीं पहुँच रहा था, उस क्षेत्रों में पानी पहुँचा है। इसके लिए किसानों ने सिंचाई मंत्री को पत्र लिखकर धन्यवाद दिया है।

बैठक में प्रमुख सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन एवं परती भूमि विकास टी० वैकटेश, संयुक्त सचिव सिंचाई, मुस्ताक अहमद, प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष, भूपेन्द्र तामा, प्रमुख अभियन्ता, परिकल्प एवं नियोजन, अजय कुमार सिंह, प्रमुख अभियन्ता, यांत्रिक, बाल कृष्ण मिश्र सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

**सम्पर्क सूत्र: मीडिया विज्ञान, प्लॉट नो०-9412205971**  
**email-isbr27@gmail.com फ़ैक्स 0522-2237664**